जालंधर, शुक्रवार 24 मई 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH

+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार

हरकत होगी तो बरकत होगी

@vandebharat24 | vandebharat24news | @vandebharat24news | www.vandebharat24.com

बरजिंदर हमदर्द और विनय बुबलानी ने सरकार को लगाई करोड़ों की चपेट

जांच में कई खुलासे, हमदर्द और बुबलानी की तलाश में छापेमारी

26 लोगों के खिलाफ केस दर्ज, 15 लोगों को विजिलेंस ने किया गिरफ्तार

जालंधर (हर्ष शर्मा) : पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने जंग-ए-आज़ादी यादगार, करतारपुर के निर्माण संबंधी फंडों में बड़े स्तर पर घपलेबाज़ी करके सरकारी खजाने को करोड़ों रुपए का वित्तीय नुकसान पहुँचाए जाने के दोष अधीन 26 मुलजिमों के विरुद्ध केस दर्ज करके 15 अधिकारियों/कर्मचारियों समेत प्राइवेट व्यक्तियों को गिरफ़्तार कर लिया है, जिनको कल अदालत में पेश किया जायेगा।

इस संबंधी जानकारी देते हुए विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि विजीलैंस इन्क्वायरी नम्बर 05/2023 की पड़ताल से जंग-ए-आज़ादी यादगार, करतारपुर के निर्माण के लिए पंजाब सरकार द्वारा जारी किए गए फंडों में की गई घपलेबाज़ी के कारण सरकारी खजाने को करोड़ों रुपए का वित्तीय नुकसान पहुँचाए जाने सम्बन्धी विजीलैंस ब्यूरो द्वारा एफ.आई.आर. नम्बर 9 तारीख 22.05.2024 को आई.पी.सी की धारा 420, 406, 409, 465, 467, 468, 471, 120-बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1) ए समेत 13 (2) थाना विजीलैंस ब्यूरो, रेंज जालंधर में दर्ज कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि कुल 26 मुलजिमों में से अब तक 15 मुलजिमों को गिरफ़्तार किया गया है, जिनमें से दीपक कुमार सिंगल (मालिक) मैसर्ज दीपक बिल्डर निवासी राज गुरू नगर, लुधियाना (प्राईवेट व्यक्ति), अरविन्दर सिंह, चीफ़ इंजीनियर (रिटायर्ड)-कम-इंडीपैंडिट इंजीनियर जंग-ऐ-अजादी निवासी सैक्टर 38-बी चंडीगढ़, तेज राम कटनौरिया, ऐक्सियन पी.डब्ल्यू.डी (बी. एंड आर.) शाखा-जालंधर (चीफ़ इंजीनियर रिटायर्ड) निवासी पार्क ऐवैन्यू, जालंधर, राजीव कुमार अरोड़ा, जे.ई (एस.डी.ओ. रिटायर्ड) पी.डब्ल्यू.डी (बी. एंड आर.) सब-डिविजन् प्रोवैशियल डिविजन्-3 जालंधर निवासी सैक्टर-11, पंचकुला, रोहित कुमार जे.ई, पी.डब्ल्यू.डी (बी. एंड आर.) कंस्ट्रक्शन डिविजन्-जालंधर (अब जे.ई मकैनिकल डिविजन् जालंधर निवासी गाँव नूसी, ज़िला जालंधर, रघुविन्दर सिंह ऐक्सियन, उप मंडल अफ़सर, लोक निर्माण विभाग (भ. एवं म. शाखा) इलैक्ट्रिकल डिवीजन निवासी सैक्टर-110, मोहाली, संतोश राज, ऐक्सियन, इलैक्ट्रिकल डिविजन् अमृतसर (रिटायर्ड) निवासी ग्रीन सिटी अकाश ऐवैन्यू, अमृतसर, हरपाल सिंह एस.डी.ओ, इलैक्ट्रिकल सब-डिविजन् जालंधर (ऐक्सियन इलैक्ट्रिकल लुधियाना) निवासी प्रीत नगर लुधियाना, जतिन्दर अर्जुन एस.डी.ओ अब ऐक्सियन इलैक्ट्रिकल सब- डिविजन् जालंधर (ऐक्सियन मकैनिकल डिविजन् पी.डब्ल्यू.डी (बी. एंड आर. जालंधर) निवासी जालंधर कैंट, हरप्रीत सिंह, जे.ई इलैक्ट्रिकल सब-डिविजन् जालंधर कैंट निवासी गाँव जलाल भुलाना, ज़िला कपूरथला, मनदीप सिंह, जे.ई. इलैक्ट्रिकल सब-डिविजन् जालंधर निवासी अर्बन एस्टेट फेज-2 जालंधर, एन.पी. सिंह, ऐक्सियन, वॉटर सप्लाई और सेनिटेशन विभाग निवासी छोटी बारांदरी जालंधर, रजत गोपाल, एस.डी.ओ, वॉटर सप्लाई और सेनिटेशन विभाग जालंधर (ऐक्सियन वॉटर सप्लाई और सेनिटेशन विभाग तरन तारन) निवासी गोपाल पार्क कपूरथला, गौरवदीप, जे.ई वॉटर सप्लाई और सेनिटेशन विभाग डिविजन्-1 जालंधर निवासी मास्टर तारा सिंह नगर, जालंधर और रोहित कौंडल, जे.ई वॉटर सप्लाई और सेनिटेशन विभाग डिविजन्-3 जालंधर, सब-डिविजन् नकोदर, ज़िला जालंधर निवासी मधूबन कॉलोनी, कपूरथला को गिरफ़्तार किया गया। जिनको कल अदालत में पेश करके रिमांड हासिल करके पूछताछ की जायेगी।

निर्वाचन आयोग द्वारा चरनजीत सिंह चन्नी को चेतावनी

जालंधर (हर्ष शर्मा) : निर्वाचन आयोग ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और लोक सभा मतदान 2024 के लिए जालंधर हलके से उम्मीदवार चरनजीत सिंह चन्नी को आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए चेतावनी दी है।ज़िक्रयोग्य है कि 5 मई, 2024 को प्रैस कान्फ़्रेंस के दौरान श्री चन्नी ने टिप्पणी की थी कि पुंछ में 4 मई को भारतीय हथियारबंद बलों के काफ़िले पर हुआ दहशती हमला एक सोचा-समझा %स्टंट% था।दफ़्तर, मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंजाब के प्रवक्ता ने बताया कि चन्नी को जालंधर के ज़िला चुनाव अधिकारी- कम- डिप्टी कमिश्नर की तरफ से इस टिप्पणी सम्बन्धी स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया था।

निर्वाचन आयोग ने चन्नी द्वारा की गई टिप्पणी पर ऐतराज़ जताते हुये इसको आदर्श चुनाव आचार संहिता के मैनुअल के अनुबंध-1 की धारा 2 (जनरल कंडक्ट) का उल्लंघन माना है, जिसमें कहा गया है कि विरोधी पार्टियों की आलोचना पार्टी की नीतियों, प्रोग्रामों, इसके पिछले रिकार्ड और कामों तक ही सीमित होनी चाहिए। पार्टियों और उम्मीदवारों को निजी जीवन से जुड़े पहलूओं, जिसका विरोधी पार्टियों के नेताओं या वर्करों की सार्वजनिक गतिविधियों के साथ कोई सम्बन्ध नहीं है, की आलोचना से परहेज़ करना चाहिए। निराधार और बेबुनियाद दोषों या तोड़- मरोड़ कर पेश किये बयानों के आधार पर विरोधी पार्टियों या उनके वर्करों की आलोचना से गुरेज़ किया जाये। वोटरों को गुमराह करने के लिए राजनैतिक पार्टियों और इनके नेताओं को बेबुनियाद और झूठे बयान देने से बचना चाहिए।निर्वाचन आयोग ने चन्नी को भविष्य में ऐसी उल्लंघनाओं से बचने की सलाह और चेतावनी देते हुये चुनाव आचार संहिता के सही अर्थों में पालना को यकीनी बनाने के लिए कहा है।

मेरा तो आपसे खून का नाता है, पंजाब में विरोधियों पर बरसे मोदी

मान को बताया कागजी सीएम

जालंधर (नितिका) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यहां पंजाब में दिखावे के लिए दिल्ली की कट्टर भ्रष्टाचारी पार्टी और सिख दंगे की दोषी पार्टी आमने-सामने लड़ने का नाटक कर रही है लेकिन सच्चाई यही है कि पंजा और झाड़ू पार्टियां दो हैं लेकिन दूकान एक ही है।

यहां के लोग कुछ भी बयान दें लेकिन दिल्ली में एक-दूसरे को कंधे पर उठाकर नाच रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पटियाला में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, एक तरफ भाजपा और एनडीए है और दूसरी तरफ भ्रष्टाचारियों का इंडी गठबंधन है। एक तरफ मोदी है जो लड़ाकू विमान से लेकर एयरक्राफ्ट कैरियर तक भारत में बना रहा है, दूसरी तरफ इंडी गठबंधन है जो लिखित रूप में कहता है कि हमारे परमाणु हथियारों तक को समाप्त कर देना चाहिए। एक तरफ आतंकवादियों को घर में घुसकर मारने का साहस, दूसरी तरफ इंडी वाले हैं जो आतंकवादियों के एनकाउंटर पर आंसू बहाते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि जब बांग्लादेश की लड़ाई हुई, 90 हजार से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिक सरेंडर कर चुके थे, 90 हजार से ज्यादा सैनिक हमारे कब्जे में थे। मैं विश्वास से कहता हूं, अगर उस समय मोदी होता, तो उनसे करतारपुर साहिब लेकर रहता, तब उन जवानों को छोड़ता। वो तो नहीं कर पाए, लेकिन मुझसे जितनी सेवा हो सकी मैंने की। आज करतारपुर साहिब आपके सामने है। हमारी सरकार ने लंगर को टैक्स से मुक्त किया। पहले श्री हरमंदिर साहब में विदेशों से भक्त चंदा नहीं दे पाते थे। हमने इसके लिए नियमों में छूट दी। श्री फतेहगढ़ साहिब तो साहिबजादे के शौर्य और शहादत का साक्षी रहा है। ये मोदी सरकार है, जिसने साहिबजादों के शौर्य के लिए समर्पित वीर बाल दिवस घोषित किया। अफगानिस्तान में हमारे सिख परिवार संकट में थे। हम सभी को सुरक्षित वापस लाए। हमारे नेता अफगानिस्तान से श्री गुरु ग्रंथ साहिब को सिर पर उठा कर लाए। मेरा तो आपसे खून का नाता है।

एक तरफ आतंकवादियों को घर में घुसकर मारने का साहस है। दूसरी तरफ इंडी वाले हैं, जो आतंकवादियों के एनकाउंटर पर आंसू बहाते हैं। पंजाब जानता है कि उसे अपना वोट बेकार नहीं करना है और आप तो जानते हैं कि वोट उसे दीजिए जो सरकार बनाएं, वोट उसे दीजिए जो विकसित पंजाब बनाने के लिए प्रतिबद्ध हो, जो विकसित भारत बनाने का संकल्प लेकर चला हो और इसके लिए जरूरी है। देश के सामने एक तरफ भाजपा और एनडीए है। दूसरी तरफ भ्रष्टाचारियों का इंडी-गठबंधन है। इंडी-गठबंधन के पास ना नेता है ना नीयत है।

HAKIM TILAK RAJ KAPOOR HOSPITAL PVT. LTD.
NEAR FOOTBALL CHOWK, JALANDHAR | Call/Whatsapp No. +91-95015-02525

आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवाइयों तथा पंचकर्मा द्वारा हर बीमारी के सफल इलाज के लिए मिलें।
Dr. Nuvneet Kapoor
B.A.M.S., M.D (H.T.R.K.)
Ph.: 0181-5092525
Website : www.hakimtilakraj.in

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से वंदे भारत 24 के लिए पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है। मोब. 97814-00247, 97804-00247

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

NRI पति चाहिए... ये सोचने वाली लड़कियां और माता-पिता पढ़ें ये 5 कहानियां, बदल जाएगा नजरिया

जालंधर(हर्ष शर्मा): NRI दूल्हे ठग लेंगे! लालच में विदेश में न ब्याहें अपनी बेटियां, कही लेने के देने पड़ न जाए ।ऐसा इसलिए क्योंकि पंजाब की कुछ महिलाओं की व्यथा सामने आई है, जिसे देखकर तो यही कहा जा सकता है कि विदेशों में बेटियों की ब्याह की इच्छा रखने वाले माता-पिता को इस नजरिए को चेंज करना चाहिए ।नहीं तो पता चलेगा कि कुछ अच्छा होने के चक्कर में बहुत कुछ बुरा हो गया। NRI पतियों की ओर से छोड़ी गईं 5 महिलाओं की आपबीती सामने आई है। इन कहानियों में किसी को ससुर ने छेड़ा, तो किसी के साथ शादी के दूसरे दिन से ही प्रताड़ना शुरू हो गई।

NRI पतियों की ओर से पत्नियों को छोड़े जाने का आंकड़ा भी भयावह है। 2015 से लेकर अक्टूबर 2023 तक यानी पिछले 9 सालों में 11 हजार से अधिक महिलाएं NRI पतियों की प्रताड़ना का शिकार बनी हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, एक दिन में NRI पति के छोड़ने के औसतन 4 मामले दर्ज किए जाते हैं। NRI कमीशन को पिछले साल जनवरी से लेकर अक्टूबर तक 1187 ऐसी शिकायतें मिली हैं। इससे पहले 2022 में ऐसे करीब 1669 मामले सामने आए थे। ये आंकड़े NRI दूल्हे से अपनी बेटियों की ब्याह की सोच रखने वाले माता-पिता को चौंकन्ना करने के लिए काफी हैं। आइए, अब उन तीन महिलाओं के बारे में जान लेते हैं, जो पतियों के छोड़े जाने का शिकार बनीं।

कहानी नंबर- 1

रोशनप्रीत नाम की लड़की की शादी उनके माता-पिता ने NRI दूल्हे से कर दी थी। उनका लालच ये था कि बेटी अच्छे से रहेगी। विदेश में रहेगी तो उसका कल संवर जाएगा, लेकिन उन्हें क्या पता था कि बेटी का कल संवरने के बजाए बिखर ही जाएगा। रोशनप्रीत की मां के मुताबिक, उन्होंने जो भी सोचा था, सबकुछ उसके उलट हुआ।

ये कहानी रोशनप्रीत की थी। आप सोचेंगे कि कहानी काफी छोटी है, तो आइए आपको तत्काल कहानी नंबर-2 पर ले चलते हैं।

कहानी नंबर- 2

सिमरनजीत नाम की लड़की की मां ने भी अपनी बेटी की दर्दभरी कहानी बयां की. उन्होंने बताया कि गलती से ऐसा हो गया कि अब मेरी बेटी का मामला गली-मोहल्ले में तमाशा बन गया है. अब तो जल्द से जल्द बेटी का तलाक हो जाए, फिर उसकी अच्छी जगह दूसरी शादी करानी है. उन्होंने बताया कि पति तो छोड़ो, मेरी बेटी तो अपने सास-ससुर की प्रताड़ना की भी शिकार बन गई।

ये कहानी सिमरनजीत की थी। इसे भी पढ़ने के बाद आपको लगेगा कि इतनी छोटी कहानी से भला किसी का नजरिया कैसे बदल सकता है? आइए, आपको तीसरी कहानी पर ले चलते हैं।

कहानी नंबर- 3

पंजाब के गढ़शंकर की रहने वाली कमलप्रीत की कहानी थोड़ी बड़ी है। इससे आपको समझ आएगा कि आखिर कैसे NRI दूल्हा आपको ठग सकता है. कमलप्रीत की शादी 2018 में धूमधाम से हुई। कमलप्रीत की आंखों में ब्याह के वक्त अपना फ्यूचर काफी ब्राइट नजर आ रहा था, क्योंकि लड़का NRI था. घरवालों ने दहेज में अच्छी-खासी रकम दी थी। एक महीने तक कमलप्रीत ससुराल में रही, लेकिन इसके बाद उसका NRI पति, अपनी मां-पिता को लेकर इटली चला गया. उन्होंने मुझसे पंजाब में रहने को कहा।

करीब तीन साल के बाद कमलप्रीत पति, सास-ससुर के पास इटली पहुंची. मैं भी काफी खुश थी और मेरे घरवाले भी। सबको लगा था कि अब सबकुछ ठीक हो जाएगा, जो सोचकर NRI दूल्हे से शादी कराई थी, वैसी ही होगा, लेकिन न तो मुझे और न ही मेरे घरवालों कोज अंदाजा भी नहीं था कि मेरे साथ क्या होने वाला है।

इटली जाते ही कमलप्रीत को पहला झटका लगा। पता चला कि पति किसी फैक्ट्री में मजदूर है. खैर, बर्दाश्त करके कमलप्रीत आराम से रहने लगी। इस बीच उसने देखा कि उसके ससुर की नीयत उसके प्रति कुछ ठीक नहीं थी। आए दिन शाम को वे शराब पीने बैठ जाते थे। एक दिन जब ससुर शराब पीने बैठे, तो मुझे भी पास बैठने को कहा। कमलप्रीत के मुताबिक, ये सब नॉर्मल था, क्योंकि पंजाब में ऐसा कल्चर होता है।

कमलप्रीत के मुताबिक, उसे दूसरा झटका तब लगा जब ससुर ने उसके साथ छेड़खानी की। इस बारे में जब पति और सास को बताया तो उन्होंने मेरी ही पिटाई कर दी. किसी तरह कमलप्रीत अपने रिश्तेदार की मदद से उस 'नरक' से निकलकर अपने माता-पिता के पास आई। बाद में मेरा तलाक भी हो गया।

कहानी नंबर- 4

बठिंडा की रहने वाली सजनीत कौर की भी कहानी कुछ ऐसी ही है। सजनीत की शादी 2015 में कनाडा में जॉब करने वाले NRI पति से हुई। सजनीत के मुताबिक, शादी के दूसरे दिन से ही ससुरालवालों का असल चेहरा सामने आ गया। कुछ दिनों बाद ही पति छोड़कर कनाडा चले गए। इस बीच मैं प्रेग्नेंट भी हुई और मेरा अबॉर्शन भी हो गया। इस बीच मुझे कहीं से पता चला कि मेरे पति की पहले से शादी हुई है। जब ये जानकारी मैंने अपने परिजन को दी, तो पति और ससुरालवालों के खिलाफ FIR दर्ज कराई।

कहानी नंबर- 5

चंडीगढ़ की रहने वाली सोनियाज शादी के करीब 6 महीने बाद तक सबकुछ ठीक चला. शादी के बाद ही सोनिया को पता चला कि उसके पति ने शुरुआत से ही उसे धोखे में रखा था. शादी के छह महीने बाद ही पति छोड़कर मलेशिया चला गया। वहां जाने के बाद उसने ये जानकारी दी, लेकिन फिर बाद में कभी बात तक नहीं की। जब मैं उससे माता-पिता के पास पहुंची और अपनी आपबीती बताई तो लड़के के माता-पिता ने हमारी पिटाई कर दी। पुलिस को जब बताया तो न शिकायत दर्ज की गई और न ही कोई कानूनी कार्रवाई।

2015 से NRI पति के भारतीय पत्नियों को छोड़ने के कब कितने मामले?

साल	दर्ज मामले
2015	796
2016	1510
2017	1498
2018	1299
2019	991
2020	1165
2021	1318
2022	1669
2023	1187
	क़ुल मामले- 11 हजार 433

WE ARE HIRING
AN OPPORTUNITY FOR YOUNGSTERS
We are currently looking for Marketing Executive
If you are dedicated and ambitious. Don't hesitate to apply
SEND YOUR RESUME OR CV TO
vandebharat24.com@gmail.com
WHATSAAP :+91 97814 00247

VANDE BHARAT 24 NEWS CHANNEL को रिक्त जिलों में जिला लेवल एवं तहसील लेवल पर न्यूज़ रिपोर्टर की आवश्यकता है केवल पत्रकारिता मे रूचि रखने वाले संपर्क करे
vandebharat24.com@gmail.com
WHATSAAP :+91 97814 00247
@vandebharat24 vandebharat24news @vandebharat24news

सुरक्षाबलों का एक्शन जारी, दंतेवाड़ा में मारे गए 7 नक्सली

जालंधर(संदीप मान) : छत्तीसगढ़ के नारायणपुर-बीजापुर अंतर-जिला सीमा के पास गुरुवार को जंगलों में सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में सात नक्सली मारे गए। जिले के नारायणपुर के सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षाकर्मियों की नक्सलियों से भीषण मुठभेड़ हुई थी। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि मुठभेड़ सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई। जब सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी तो उसी वक्त वहां रुक-रुक कर गोलीबारी होने लगी।

इनपुट के आधार पर ऑपरेशन किया- एसपी

एसपी प्रभात कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि गोलीबारी में अब तक माओवादी वर्दी धारी सात नक्सली मारे गए हैं। उन्होंने कहा, ऑपरेशन में दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बस्तर जिलों के जिला रिजर्व गार्ड, बस्तर फाइटर्स और स्पेशल टास्क फोर्स के साथ में छत्तीसगढ़ पुलिस की सभी इकाइयां शामिल थीं। इनपुट के आधार पर माओवादियों की इंद्रावती एरिया कमेटी और प्लाटून नंबर 16 के कैडरों की मौजूदगी के बारे में पता चला।

इस साल 122 नक्सली हो चुके हैं ढेर

उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से कुल सात हथियार बरामद किए गए हैं। साथ ही कहा कि ऑपरेशन अभी भी जारी है और विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। इस घटना के साथ ही इस साल छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में अब तक 112 नक्सली मारे जा चुके हैं। बता दें कि इससे पहले कांकेर जिले में डीआरजी और बीएसएफ की संयुक्त पार्टी और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में पुलिस और नक्सलियों के बीच जमकर गोलीबारी हुई, जिसमें 29 नक्सली मारे गए थे। हमले में 25 लाख रुपये के इनामी नक्सली कमांडर शंकर राव के भी मारा गया था।

आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से
वंदे भारत 24
के लिए पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247, 97804-00247

सुखपाल खैरा के बयान के बाद सियासी बवाल

PM मोदी-भगवंत मान ने साधा निशाना तो कांग्रेस ने भी झाड़ा पल्ला

जालंधर (काजल विज) : पंजाब कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैरा ने एक विवादित बयान दे दिया। संगरूर लोकसभा क्षेत्र के खेतला गांव में 18 मई को एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के उम्मीदवार सुखपाल सिंह खैरा ने पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर पंजाब में भी एक कानून लाने की मांग की थी। इसके तहत अगर कोई प्रवासी राज्य द्वारा निर्धारित कुछ शर्तों को पूरा नहीं करता है तो उसे जमीन खरीदने, मतदाता बनने या सरकारी नौकरी पाने से रोका जाएगा।

सुखपाल सिंह खैरा ने विदेशों में पंजाबियों के बढ़ते पलायन पर चिंता व्यक्त की थी और दावा किया था कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो पंजाब के मूल निवासी राज्य में अल्पसंख्यक बन जाएंगे। तीन बार के विधायक रह चुके सुखपाल सिंह खैरा की टिप्पणी पर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (क्क) और भाजपा ने उनकी तीखी आलोचना की है। कांग्रेस ने इस विवाद से बचने की कोशिश की है और इसे सुखपाल खैरा का निजी विचार बताया है।

पीएम मोदी ने भी साधा था निशाना

मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के महाराजगंज में एक रैली को संबोधित करते हुए सुखपाल खैरा का नाम लिए बिना कहा, इंडिया गठबंधन के लोग बिहार के लोगों का अपमान कर रहे हैं। राजपरिवार (गांधी परिवार) के करीबी एक कांग्रेस नेता का कहना है कि बिहार के लोगों का बहिष्कार किया जाना चाहिए। उन्हें पंजाब में अधिकार नहीं दिए जाने चाहिए या उन्हें वहां घर खरीदने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, लेकिन राजपरिवार इस पर चुप रहता है। उनके दिमाग में इतनी नफरत भरी हुई है।

वहीं सुखपाल सिंह खैरा ने पीएम मोदी पर उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया। सुखपाल खैरा ने इस बात से इनकार किया कि उन्होंने बिहारियों का जिक्र किया है या प्रवासियों के बहिष्कार का आह्वान किया है। सुखपाल खैरा ने एक बयान में कहा, ॐमैं हिमाचल प्रदेश जैसे कानून की वकालत कर रहा हूं जो बाहरी लोगों को राज्य की शर्तों को पूरा किए बिना जमीन खरीदने, मतदाता बनने या सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने से रोकता है। अगर कोई गैर-पंजाबी पंजाब में आजीविका कमाना चाहता है तो हमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन अगर वह स्थायी रूप से बसना चाहता है तो उसे एचपी टेनेंसी एक्ट 1972 जैसी शर्तों को पूरा करना होगा। ऐसा कानून पंजाब में और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारी अधिकांश सरकारी नौकरियां हरियाणा, दिल्ली आदि से आए लोगों द्वारा ली जा रही है। पंजाब में यह बेहद जरूरी है क्योंकि दुनिया भर में पंजाबियों के बड़े पैमाने पर पलायन के कारण हमारी डेमोग्राफिक स्थिति खतरे में है। मैं प्रधानमंत्री को यह भी याद दिलाना चाहता हूं कि एचपी जैसा एक समान कानून उनके गृह राज्य गुजरात और भाजपा शासित उत्तराखंड में भी मौजूद है।

वहीं इस बीच पंजाब भाजपा के पूर्वांचल विंग के प्रमुख राजेश मिश्रा ने खैरा पर निशाना साधते हुए कहा, खैरा की टिप्पणी सीधे तौर पर यूपी और बिहार के प्रवासियों को निशाना बना रही है, जो कड़ी मेहनत करते हैं और पंजाब की अर्थव्यवस्था में बहुत योगदान देते हैं। हम उनके विभाजनकारी बयान के बारे में चुनाव आयोग से शिकायत करेंगे। इसके अलावा भाजपा इस मुद्दे पर पूरे पंजाब में कांग्रेस के खिलाफ पुतला फूंकने की योजना बना रही है।

इस मुद्दे पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, बाहरी लोगों के लिए प्रतिबंध लगाना सही नहीं है। इस तरह के कानून की मांग करना सही नहीं है, क्योंकि पंजाबी 'सरबत दा भला' (सभी के लिए समृद्धि) में विश्वास करते हैं और पंजाबी आपदाओं के दौरान विभिन्न स्थानों पर लंगर आयोजित करने के लिए प्रसिद्ध हैं। हर साल धान की रोपाई के मौसम में प्रवासी पंजाब आते हैं और यहां तक कि हमारे पंजाबी लड़के और लड़कियां भी आजीविका के लिए देश से बाहर जाते हैं। इसलिए ऐसी मांग उचित नहीं है क्योंकि हम सभी का खुले दिल से स्वागत करते हैं।

इस बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने पार्टी को विवाद से दूर रखने की कोशिश की। कांग्रेस खैरा के गए दृष्टिकोण से अलग राय रखती है। चरणजीत सिंह चन्नी ने यह कहकर भी विवाद खड़ा कर दिया था कि उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली के भैया को राज्य में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। हालांकि चन्नी ने बाद में कहा था कि उनकी टिप्पणी आप नेताओं के लिए थी, न कि उन प्रवासियों के लिए जो पंजाब में काम करने और अपनी आजीविका कमाने के लिए आते हैं। इसके बाद पीएम मोदी ने पंजाब के अबोहर में एक चुनावी रैली के दौरान चन्नी पर हमला किया था।

पंजाब विभिन्न क्षेत्रों में प्रवासी श्रमिकों पर काफी हद तक निर्भर है। कृषि और उद्योग से लेकर आवास और घरेलू सहायता तक – जिनमें से अधिकांश यूपी और बिहार से हैं। हालांकि कई प्रवासी पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान सहित अन्य राज्यों से भी आते हैं।

हरित क्रांति के बाद 1970 के दशक के मध्य में पंजाब में प्रवासियों का आना शुरू हुआ। तत्कालीन पंजाब सरकार के प्रवासी बोर्ड द्वारा 2016 में किए गए एक सर्वेक्षण में अनुमान लगाया गया था कि राज्य में प्रवासी आबादी लगभग 39 लाख है। वे मुख्य रूप से लुधियाना, जालंधर, मोहाली, फगवाड़ा, बठिंडा, होशियारपुर, अमृतसर और फतेहगढ़ साहिब में हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की जनसंख्या 2.77 करोड़ थी। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि लगभग 30त्न प्रवासी पंजाब में मतदाता हैं।

संगरूर में मुकाबला

सीएम भगवंत मान के गृह क्षेत्र संगरूर में मुकाबले में खैरा का मुकाबला मौजूदा सांसद और शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के प्रमुख सिमरनजीत सिंह मान, आप उम्मीदवार और मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर, भाजपा के अरविंद खन्ना और अकाली के इकबाल सिंह से है। 2022 के उपचुनाव में सिमरनजीत ने आप के गुरमेल सिंह को 6,245 वोटों से मामूली अंतर से हराया था। हालांकि इस बार ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि संगरूर में मुकाबला मुख्य रूप से खैरा और गुरमीत सिंह हेयर के बीच होगा।

किसान मोर्चा से Amritsar लौटते समय बस हुई दुर्घटनाग्रस्त, 32 किसान घायल

जालंधर (हिमांशु) : शंभू बॉर्डर से लौट रहे किसानों से भरी बस अमृतसर के राया के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। किसान मजदूर कमेटी के किसान शंभू बॉर्डर पर विरोध रैली से लौट रहे थे। किसान आंदोलन 2.0 के 100 दिन पूरे होने के मौके पर किसान नेताओं की ओर से विरोध रैली बुलाई गई। एक बड़े हादसे में कल रात अमृतसर के राया के पास किसानों से भरी बस पलट गई। हादसा रात करीब 8 बजे हुआ। हादसे की जानकारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुखविंदर सिंह साबरा और प्रदेश महासचिव राणा रणबीर सिंह ने दी हैं।

सरवन सिंह पंधेर, जिला अध्यक्ष रणजीत सिंह कलेर बाला और जिला सचिव गुरलाल सिंह मान ने कहा कि इस हादसे में एक महिला समेत कुल 32 किसान घायल हुए हैं, जिनमें से 9 किसान गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि 22 को मामूली चोटें आई हैं। एक महिला को भी मामूली चोटें आईं। उन्होंने बताया कि देर रात तक घायलों को निजी वाहनों और एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया. गंभीर रूप से घायलों का ओठिया स्थित गुरु राम दास अस्पताल में इलाज चल रहा है। किसानों के मंच ने मांग की है कि घायल किसानों को मुआवजा दिया जाए और इलाज का पूरा खर्च पंजाब सरकार वहन करें।

उन्होंने बताया कि देर रात तक घायलों को निजी वाहनों और एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि गांव तलवंडी दोसांधा से बलविंदर सिंह पुत्र सुबेग सिंह, रणयोध सिंह पुत्र हरी सिंह, हरभजन सिंह पुत्र गुरचरण सिंह, तरसेम सिंह पुत्र अजायब सिंह, निरवैर सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह, गुरमुख सिंह पुत्र गुलजार सिंह, तरलोचन सिंह पुत्र सुच्चा सिंह, समीर सिंह पुत्र तरण सिंह, गुरविंदर सिंह पुत्र सुरजन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका गुरु राम दास अस्पताल, ओठिया में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों मंचों की मांग है कि घायलों के इलाज का पूरा खर्च पंजाब और भारत सरकार द्वारा वहन किया जाना चाहिए। किसान नेताओं ने यह भी मांग की कि सरकार की ओर से गंभीर रूप से घायलों को 3-3 लाख रुपए और मामूली रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपए की सहायता दी जानी चाहिए।

केक मामले में हुआ बड़ा खुलासा : रिपोर्ट देख सब रह गए हैरान, बेकरी मालिक को High Court से मिली जमानत

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : जन्मदिन पर ऑनलाइन केक मंगवाकर खाने के बाद 10 वर्ष की मानवी की मौत होने के 2 महीने बाद इस मामले में नया खुलासा हुआ है कि पोस्टमार्टम के दौरान लिए गए केक और बिसरा के नमूने फोरेंसिक लैब से आए हैं, जिसमें कहा गया कि यह जहर नहीं है। इसका मतलब है कि केक में कोई जहरीला पदार्थ नहीं था। हालांकि, परिवार का कहना है कि अभी पैथोलॉजी रिपोर्ट आनी बाकी है, जिसके बाद सच्चाई सामने आएगी। अब रिपोर्ट सामने आने के बाद बेकरी मालिक गुरप्रीत सिंह को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है।

इस संबंध में जब मानवी के नाना हरबंस लाल से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि उन्होंने जो केक पुलिस को सौंपा था वह खराब था और उसमें से बदबू आ रही थी। जब कोर्ट में पेश की गई रिपोर्ट देखी तो सब हैरान रह गए, जबकि केक खाने के बाद बच्ची की हालत बिगड़ी, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक केक और बिसरा दोनों में जहर नहीं था। पैथोलॉजी रिपोर्ट अभी नहीं आई है। संभव है कि लड़की की मौत की असली वजह सामने आए की मौत किस कारण हुई हैं और परिवार को न्याय मिल सके। बता दें, 24 मार्च को अपने जन्मदिन पर बेकरी से ऑनलाइन केक ऑर्डर करके खाने के बाद मानवी की मौत हो गई थी, जिसके बाद बेकरी के तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

केक पटियाला के अदालत बाजार से सटी एक बेकरी से डिलीवर हुआ था। मानवी के परिवार ने उसके जन्मदिन पर आनलाइन केक मंगवाया था, जो एक आनलाइन सिस्टम के जरिए फूड सप्लाई कंपनी ने केक मानवी के घर भेजा। कंपनी के पास काम करने वाला एक डिलीवरी ब्वाय उनको केक दे गया।

परिवार ने खुशी से जन्मदिन मनाया। केक खाने के बाद मानवी की तबीयत खराब हो गई और उसको कुछ उल्टियां भी आईं।जन्मदिन मनाकर परिवार के लोग रात को सो गए। सुबह जब वह उठे तो मानवी नहीं उठी और उन्होंने मानवी को डाक्टर के पास ले गए, तो डाक्टरों ने उसे मृत बताया।

दर्दनाक हादसा... सतलुज में डूबने से दो नौजवानों की मौत, परिवार में मचा कोहराम

जालंधर (हर्ष शर्मा) : नंगल डैम की सतलुज नदी में दो नौजवानों के डूबने की खबर सामने आ रही है। दोनों नौजवान झील में नहाने गए थे। दोनों की झील में डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान हो चुकी है। एक नौजवान नंगल निक्कू गांव के सरपंच बबरीत राणा का बेटा हर्ष राणा और दूसरा नौजवान दीपक कुमार है।

बीबीएमबी के गोताखोरों ने चलाया तलाशी अभियान

हादसे के बाद बीबीएमबी के गोताखोरों ने तलाशी अभियान शुरू किया। दोनों की उम्र 15-15 साल की है। गोताखोर कमलप्रीत सैनी व बीबीएमबी के डायवर्स के प्रयासों से डूबने वाले दो किशोरों के शव बाहर निकाले गए।

दोनों के परिवार में दौड़ी शोक की लहर

हादसे की खबर सुनते ही नंगल निक्कू गांव व पुराना गुरुद्वारा में शोक की लहर दौड़ पड़ी। जानकारी के अनुसार सामने आया है कि दोनों नौजवान 10वीं पास करने के बाद ग?यारहवीं कक्षा की शिक्षा हासिल कर रहे थे।

पीटीयू बीटेक काउंसलिंग 2024 मई 24 से शुरू होने जा रही है

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : आईके गुजराल पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी, जिसे पहले पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी के नाम से जाना जाता था, 24 मई से बीटेक पाठ्यक्रमों के लिए पीटीयू 2024 काउंसलिंग शुरू करने के लिए तैयार है।

काउंसलिंग प्रक्रिया ऑनलाइन आयोजित की जाएगी, और उम्मीदवार भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट ptu.ac.in पर जा सकते हैं। यह आलेख पंजीकरण, अनुसूची और प्रक्रिया सहित परामर्श प्रक्रिया का एक सिंहावलोकन प्रदान करता है।

पीटीयू बीटेक काउंसलिंग शेड्यूल 2024

- प्रारंभ तिथि : पीटीयू बीटेक काउंसलिंग 24 मई, 2024 से शुरू होगी।
- राउंड 1 पंजीकरण : जून 2024 में शुरू होने की उम्मीद है।
- राउंड 2 पंजीकरण : जुलाई 2024 में शुरू होने की उम्मीद है।
- सीट आवंटन परिणाम : विकल्प भरने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद घोषित किया जाएगा।

पीटीयू बीटेक काउंसलिंग पंजीकरण 2024 कैसे पूरा करें

- आधिकारिक वेबसाइट पर जाएँ : आईके गुजराल पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट ptu.ac.in पर जाएँ ।
- काउंसलिंग पंजीकरण तक पहुंचें : होमपेज पर उपलब्ध पीटीयू बीटेक काउंसलिंग पंजीकरण टैब पर क्लिक करें।
- पूर्ण पंजीकरण : पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक विवरण सही-सही भरें।
- लॉगिन करें और फॉर्म भरें : पंजीकरण के बाद, जेनरेट किए गए क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके लॉगिन करें और काउंसलिंग पंजीकरण फॉर्म भरें।
- दस्तावेज़ अपलोड करें और शुल्क का भुगतान करें : दिशानिर्देशों के अनुसार आवश्यक स्कैन किए गए दस्तावेज़ अपलोड करें और परामर्श पंजीकरण शुल्क का भुगतान करें।
- विकल्प भरें और सबमिट करें : पाठ्यक्रम चयन के लिए विकल्प/वरीयताएँ भरें और फॉर्म जमा करें।
- प्रिंट पुष्टिकरण : भविष्य के संदर्भ और सत्यापन के लिए भरे हुए फॉर्म का प्रिंटआउट लें।

पीटीयू बीटेक काउंसलिंग पंजीकरण शुल्क

- शुल्क राशि : प्रत्येक कोर्स के लिए INR 2000 (नॉन-रिफंडेबल)।
- एकाधिक पाठ्यक्रम पंजीकरण : यदि एकाधिक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किया जाता है, तो प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से 2000 रुपये का शुल्क लगेगा।
- दो पाठ्यक्रमों के लिए कुल शुल्क : दो अलग-अलग पाठ्यक्रमों (जैसे, बीआर्क और बीटेक) में आवेदन करने के लिए 4000 रुपये।

चुनाव से पहले पंजाब कांग्रेस को झटका!

पूर्व विधायक हरमिंदर सिंह जस्सी BJP में शामिल

जालंधर (काजल विज) : पंजाब में विरोधी पार्टियों के नेताओं का बीजेपी ज्वाइन करने का सिलसिला जारी है। गुरुवार (23 मई) को कांग्रेस के पूर्व विधायक हरमिंदर सिंह जस्सी बीजेपी में शामिल हो गए उन्होंने केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने बीजेपी में शामिल कराया। राजधानी दिल्ली में एक कार्यक्रम के तहत उन्होंने बीजेपी ज्वाइन की।

बीजेपी ज्वाइन करने के बाद हरमिंदर सिंह जस्सी ने मीडिया से बात की और केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ज्वाइन करने की वजह बताई। हरमिंदर सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री की नीतियों से प्रेरणा लेकर आया हूं, उन्होंने दुनिया में भारत का नाम ऊंचा किया। प्रधानमंत्री ने जो दुनिया में छवि बनाई हैं उससे बहुत प्रभावित हूं.

2022 में निर्दलीय चुनाव लड़े थे जस्सी

जस्सी पंजाब के तलवंडी साबो से विधायक रहे हैं। उन्होंने 2022 में निर्दलीय विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया था और कहा था कि नामांकन से पहले कांग्रेस छोड़ने का एलान किया था। जस्सी डेरा सच्चा सौदा चीफ गुरमीत राम रहीम के करीबी माने जाते हैं। वह दो बार तलवंडी साबो और एक बार बठिंडा शहरी सीट से विधायक रहे हैं।

टिकट न मिलने से कांग्रेस से थे नाराज

2017 में विधानसभा चुनाव हार जाने के बाद वह 2022 में तलवंडी से चुनाव लड़ना चाहते थे लेकिन कांग्रेस ने उनकी जगह किसी और को टिकट दे दिया था जस्सी इस बात से नाराज थे और इसलिए निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया था। नाराजगी जाहिर करते हुए जस्सी ने कहा था कि जिन्होंने चुनाव से ठीक पहले पार्टी ज्वाइन की उन्हें टिकट दे दिया गया और उनकी अनदेखी की गई। हरमिंदर सिंह जस्सी पंजाब में मंत्री भी रह चुके हैं। हरमिंदर सिंह जस्सी के बीजेपी ज्वाइन करने से बठिंडा में पार्टी की ताकत बढ़ने के आसार जताए जा रहे हैं। पंजाब में लोकसभा की 13 सीटें हैं जहां 1 जून को आखिरी चरण के तहत मतदान कराया जाएगा। इनमें बठिंडा सीट भी शामिल है। जहां से बीजेपी ने परमपाल कौर सिद्धू को मैदान में उतारा है।

चारधाम यात्रा पर भीड़ देख सरकार के छूटे पसीने, दर्शन के इंतजार में 31 लाख लोग

जालंधर(हिमांशु) : दस मई को चारधाम यात्रा की शुरूआत होने के बाद से अब तक दर्जनों से अधिक यात्रियों की स्वास्थ्य संबंधी कारणों से मौत हो चुकी है। इसके अलावा, यात्रा मार्ग पर भारी भीड़ के कई चौंकाने वाले वीडियो सामने आए हैं। अब केंद्र सरकार ने इसका संज्ञान लिया है। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से उत्तराखंड में प्रचलित चारधाम यात्रा की ताजा जानकारी ली। भल्ला ने मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को धामों, यात्रा मार्गों एवं ठहराव स्थलों में यात्रियों की रिपोर्ट हर दिन गृह मंत्रालय को भेजने के निर्देश दिए हैं। गृह सचिव ने जरूरत पड़ने पर यात्रा मार्ग पर क्राउड मेनेजमेंट के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की मदद लेने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही, उन्होंने भविष्य में चारधाम यात्रा प्रबन्धन की रणनीति हेतु एक कमेटी गठन के निर्देश दिए। उन्होंने धरातल स्तर पर यात्रा प्रबन्धन पर कड़ी निगरानी पर विशेष बल दिया है।

राज्य की मुख्य सचिव ने केंद्रीय गृह सचिव को जानकारी दी कि राज्य में चारधाम यात्रा में सभी राज्यों विशेषकर, पांच प्रमुख राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से सबसे अधिक यात्री चारधाम पर आते हैं। उनके मुख्य सचिवों को पत्र के माध्यम से तथा व्यक्तिगत तौर पर बातचीत कर अनुरोध किया गया है कि तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन के बाद ही चारधाम पर आए तथा जिस तिथि का रजिस्ट्रेशन हुआ है, उस तिथि को ही आए। उन्होंने बताया कि व्यवस्था बनाए रखने के लिए 31 मई तक चारधाम यात्रा के ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन पर रोक लगाई गई है। रतूड़ी ने यात्रा मैनेजमेंट सिस्टम की जानकारी देते हुए जानकारी दी कि पंजीकृत श्रद्धालुओं को बड़कोट (यमुनोत्री), हीना (गंगोत्री), सोनप्रयाग (केदारनाथ) तथा पाण्डुकेश्वर (बद्रीनाथ) में चेक किया जा रहा है। जानकी चट्टी (यमुनोत्री), गंगोत्री मंदिर (गंगोत्री), स्वर्गारोहिणी (केदारनाथ) तथा आईएसबीटी, बीआरओ तथा माणा (बद्रीनाथ) में धामों के दर्शन हेतु पंजीकृत श्रद्धालुओं को टोकन जारी किए जा रहे हैं। मंदिरों के परिसर में पंक्ति में लगे श्रद्धालुओं के टोकन पर मोहर लगाकर उनके लिए धामों के दर्शनों की व्यवस्था की गई है।

मुख्य सचिव ने जानकारी दी कि 22 मई तक कुल 31,18,926 रजिस्ट्रेशन में से यमुनोत्री हेतु 4,86285, गंगोत्री हेतु 5,54,656, केदारनाथ हेतु 10,37,700, बद्रीनाथ हेतु 9,55,858 तथा हेमकुण्ड साहिब हेतु 84,427 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण करवाया है। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा पर आने वाले सर्वाधिक श्रद्धालुओं वाले 10 राज्यों में क्रमश: उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, पश्चिम बंगाल तथा छतीसगढ़ हैं।

रतूड़ी ने जानकारी दी कि 2024 में यमुनोत्री में 1,38,537 श्रद्धालुओं ने यात्रा सीजन के पहले 10 दिनों में दर्शन किए। यह आंकड़ा गत दो वर्षों से 127 प्रतिशत अधिक है। गंगोत्री धाम में पहले दस दिनों में 1,28,777 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। जो कि गत दो वर्षों से 89 प्रतिशत अधिक है। जबकि, केदारनाथ धाम में इस वर्ष पहले दस दिनों में 3,19,193 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। जो कि गत दो वर्षों से 156 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार, बदरी नाथ धाम में इस वर्ष पहले दस दिनों में 1 लाख, 39 हजार 656 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

भल्ला को मुख्य सचिव ने अवगत कराया कि इस वर्ष चारधाम यात्रा के सुचारू संचालन हेतु परिवहन विभाग ने वाहन चालकों की कैपिसिटी बिल्डिंग तथा मेडिकल स्क्रीनिंग की व्यवस्था की है। यात्रा रूट के मुख्य प्रवेश स्थलों पर चार हाईटेक चेक पोस्ट बनाए गए हैं। सोनप्रयाग तथा गौरीकुण्ड मार्ग पर शटल सर्विस की व्यवस्था की गई है। ऑनलाइन व्यवस्था द्वारा ग्रीन कार्ड की व्यवस्था की गई है। अभी तक 23063 ग्रीन कार्ड जारी किए गए हैं। टूरिज्म पोर्टल पर पंजीकृत यात्रियों को ट्रिप कार्ड जारी किए जा रहे हैं।

रतूड़ी ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा इस वर्ष यात्रा रूट पर 56 टूरिज्म पुलिस स्पोर्ट सेन्टर खोले गए हैं। यात्रा पर निगरानी हेतु 850 सीसीटीवी कैमरा तथा आठ ड्रोन लगाए गए हैं। केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर 1495 वाहनों की क्षमता वाले 20 पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। पार्किंग मेनेजमेंट हेतु क्यूआर कोड बेस्ड सिस्टम शुरू किया गया है। यमुनोत्री एवं गंगोत्री यात्रा मार्ग पर वाहनों की नियंत्रित आवाजाही हेतु तीन से चार हॉलण्डिंग पाइंट्स बनाए गए हैं।

केदारनाथ मार्ग पर बेहतरीन यातायात प्रबंधन के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। यात्रा मार्ग की सफाई के लिए 657 पर्यावरण मित्रों की तैनाती की गई है।

जाखड़ ने जंग-ए-आजादी मामले में कार्रवाई की टाइमिंग पर उठाए सवाल, बोले- कांग्रेस ने अब क्यों साधी चुप्पी

जालंधर (काजल विज) : पंजाब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी सिबिन सी को पत्र लिखा है। पत्र में एक पंजाबी अखबार के संपादक पर की गई कार्रवाई पर जाखड़ ने सवाल उठाए है।

जाखड़ ने कहा कि यह कार्रवाई बरजिंदर सिंह हमदर्द द्वारा सरकार के लिए प्रचार करने से इनकार करने के बाद की गई है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस मामले में अब कांग्रेस चुप क्यों है। मुख्य चुनाव आयुक्त, पंजाब को लिखे पत्र में उन्होंने मुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस नेताओं दोनों की गतिविधियों में हस्तक्षेप करने की मांग की।

जाखड़ ने कहा कि हमदर्द के खिलाफ कार्रवाई की टाइमिंग भी मीडिया को कमजोर करने की गहरी साजिश साबित होती है, क्योंकि पंजाब में भी लोकसभा चुनाव का माहौल देश के बाकी हिस्सों जैसा ही है।

पंजाब में कांग्रेस मूकदर्शन बनी है

आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को बचाने के लिए कांग्रेस समेत सभी पार्टियां एक साथ आ गई हैं।

मान सरकार की कार्रवाई के डर से पंजाब में कांग्रेस मूकदर्शक बनी है और आम आदमी पार्टी ने गुंडई के खिलाफ मुंह मोड़ लिया है।

उधर शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने आज चुनाव आयोग से आग्रह किया है कि वह पंजाब सरकार को निर्देश दे कि वह झूठे मामले दर्ज करके मीडिया को न धमकाए जैसा बरजिंदर सिंह हमदर्द के खिलाफ किया गया है।

प्रेस की आजादी में एक खुला और सीधा हस्तक्षेप

अकाली दल अध्यक्ष ने चुनाव आयोग को दी गई शिकायत में कहा कि आम आदमी पार्टी द्वारा दी गई एफआईआर का एकमात्र मकसद स्वतंत्र समाचार पॉलिसी का पालन करने लिए सबक सिखाना था। उन्होंने कहा कि इस मामले में केस दर्ज होना स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के साथ साथ प्रेस की आजादी में एक खुला और सीधा हस्तक्षेप है। उन्होंने कहा कि यह समझ से परे है कि पंजाब राज्य में चुनावी प्रक्रिया के बीच में और मतदान की तारीख तय होने से कुछ समय पहले इस तरह का मामला दर्ज करने की इतनी जल्दबाजी क्यों की जा रही है।

शर्मनाक! तरनतारन में युवक ने महिला को गाली देते हुए ऑडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर किया वायरल

जालंधर(नितिका) : थाना क्षेत्र झब्बाल के गांव पंजवड़ खुर्द गांव में महिला से बदतमीजी का मामला सामने आया है। दरअसल गांव एक युवक ने बताया कि वह किसी काम से 21 मई की शाम छह बजे तरनतारन गया था। जब वह रात साढ़े नौ बजे वापस लौटा तो उसकी मां ने बताया कि उसी गांव के रहने वाले बख्तावर सिंह घर में दाखिल हुआ और गालियां देने लगा। महिला ने शर्म के मारे दरवाजा बंद कर लिया।

ऑडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर किया वायरल

महिला द्वारा घर का दरवाजा बंद करने के बाद आरोपी बख्तावर सिंह ने गाली देते हुए ऑडियो रिकॉर्ड कर के सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। युवक के दोस्त गुरसेवक सिंह ने बताया कि पंथ दर्दी जत्था के नाम पर बने वाट्सएप ग्रुप पर बख्तावर सिंह द्वारा गालियों वाली ऑडियो वायरल की गई है।

साइबर क्राइम सेल करेगी जांच

डीएसपी तरसेम मसीह ने बताया कि इस मामले की जांच साइबर क्राइम सेल द्वारा की जाएगी। आरोपी बख्तावर सिंह के खिलाफ थाना झब्बाल में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। हालांकि आरोपी की गिरफ्तारी अभी नहीं हुई है।

दिल्ली में फिर बम का खौफ, अब कॉलेजों को उड़ाने की धमकी; विदेश मंत्री एस जयशंकर का प्रोग्राम स्थगित

जालंधर(काजल विज) : राजधानी दिल्ली में बम का खौफ थम नहीं रहा है। कुछ दिनों पहले 200 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने वाले धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे। पूरे एनसीआर में पैनिक की स्थिति बन गई थी। इसके बाद कई बड़े अस्पतालों और दिल्ली एयरपोर्ट को भी उड़ाने की धमकी दी गई। ऐसे में अब दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि दो कॉलेज से बम की धमकी के बारे में कॉल मिली है। मौके पर दमकल की गाड़ियां भेजी गई हैं। वहीं एक कॉलेज में विदेश मंत्री एस जयशंकर का प्रोग्राम होना था, जिसे बम की धमकी के बाद सुरक्षा कारणों से अब स्थगित कर दिया गया है।

दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि लेडी श्रीराम कॉलेज और श्री वेंकटेश्वर कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की गाड़ियां भेजी गई हैं। दिल्ली पुलिस भी कॉलेजों में पहुंच गई है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का प्रोग्राम स्थगित

दरअसल, डीयू के श्री वेंकटेश्वर कॉलेज में भी बम की कॉल मिली है। हालांकि पुलिस जांच में यहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। धमकी

वाले कॉल के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर का कार्यक्रम यहां सुरक्षा कारणों से स्थगित कर दिया गया है। वहीं इस मामले को लेकर दिल्ली पुलिस ने बताया कि कॉलेजों में बम की धमकी के संबंध में कुछ कॉल प्राप्त हुईं। जांच में सभी कॉल फर्जी निकलीं। लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

दरअसल, दिल्ली में बम का खौफ 30 अप्रैल को शुरू हुआ जब चाचा नेहरू अस्पताल को उड़ाने की धमकी मिली। वहीं 1 मई को 200 से अधिक स्कूलों को धमकी भरे मेल मिले। इसके बाद दिल्ली के करीब 20 बड़े अस्पतालों के पास धमकी भेजे गए। एयरपोर्ट, उत्तरी रेलवे के सीपीआरओ कार्यालय, तिहाड़ जेल और गृह मंत्रालय के कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी को भी धमकी भरे ईमेल मिले।

जालंधर में बस और टेम्पो की भीषण टक्कर, हादसे में दो की मौत; सात घायल

जालंधर(जसवीर) : शाहकोट-मोगा राष्ट्रीय मार्ग पर बस और टेंपो की आमने सामने टक्कर में दो की मौत हो गई जबकि सात लोग घायल हो गए। हादसा बुधवार सुबह करीब दस बजे गांव परजियां मोड़ के पास सर्विस लेन पर हुआ।

सुबह करीब 10 बजे बटाला डिपो की पंजाब रोडवेज बस नंबर पीबी-06-एटी-1638, जो शाहकोट से मोगा जा रही थी, को पवन कुमार निवासी मोहल्ला गोपाल नगर जिला गुरदासपुर चला रहा था।

उधर, गांव परजियां कलां से सवारियों से भरा टेम्पो शाहकोट की ओर आ रहा था, जिसे चेत राम (60) निवासी गांव नारंगपुर हांसी चला रहा था। जब ये दोनों गाड़ियां परजिया पेट्रोल पंप से थोड़ा आगे शाहकोट-मोगा नेशनल हाईवे की सर्विस लेन पर पहुंची तो दोनों गाड़ियों की आमने-सामने टक्कर हो गई।

ये लोग घायल

जिससे टेंपो चालक चेत राम और कृष्णा देवी (34) निवासी परजिया कला जो टेंपू में सवार थी, अमन (11) निवासी परजियां कलां, बानो (65) निवासी हाथीयाना, कश्मीर सिंह (75) निवासी नारंगपुर, हरदीश कौर (65) निवासी नारंगपुर, लखविंदर कौर (55) निवासी रौतां, अमरजीत कौर (65) निवासी रौतां और कमलजीत कौर (53) निवासी फाजलवाल गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया। टेंपो चालक चेत राम और महिला कमलजीत कौर को सरकारी अस्पताल नकोदर पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

बाकी घायल यात्रियों को 108 एंबुलेंस द्वारा सरकारी अस्पताल शाहकोट लाया गया। डॉ. मनदीप सिंह ने घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें जालंधर रेफर कर दिया। हादसे का पता चलते ही एएसआइ सरवन सिंह पुलिस पार्टी के साथ मौके पर पहुंचे। जिन्होंने बस को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

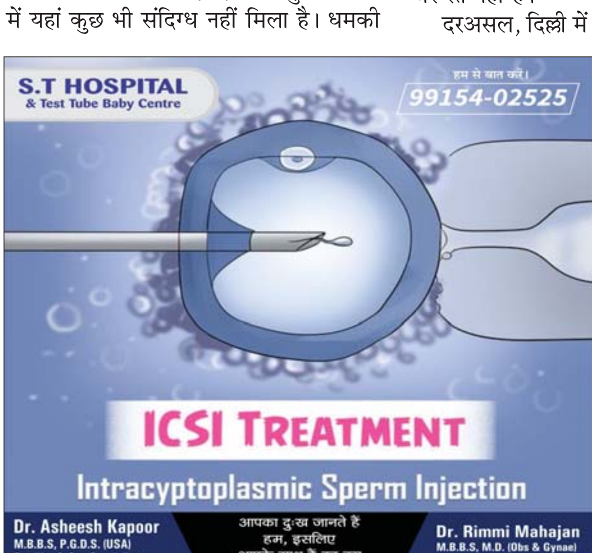

पंजाब में लगातार मजबूत हो रही आम आदमी पार्टी

शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस को बड़ा झटका! कई बड़े नेता आप में शामिल

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा): आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को शिरोमणि अकाली दल (बादल) और कांग्रेस को उस समय बड़ा झटका दिया जब अकाली दल के पूर्व खेल मंत्री, पीएसी सदस्य एवं पूर्व एनएसयूआई और युवा कांग्रेस के प्रधान आप में शामिल हो गए।

इन नेताओं के आप में शामिल होने से लोकसभा चुनाव में पार्टी को बड़ी बढ़त मिली है।आम आदमी पार्टी पंजाब के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सभी नेताओं को औपचारिक रूप से आप में शामिल कराया और उनका स्वागत किया। मान ने कहा कि इन महत्वपूर्ण नेताओं के पार्टी में शामिल होने से संगरूर और फरीदकोट में आम आदमी पार्टी और भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि पंजाब के कोने-कोने से लोग आप से जुड़ रहे हैं। वे हमारी सरकार के लोकहितैषी और पंजाबहितैषी फैसलों से प्रभावित होकर पंजाब को फिर से रंगला बनाने के लिए काम करना चाहते हैं।

मलेरकोटला में आम आदमी पार्टी ने अकाली दल (बादल) को बड़ा झटका दिया। अकाली दल के पूर्व मंत्री नुसरत अली खान बग्गा, जिनकी वहां की जनता के बीच अच्छी प्रतिष्ठा है, कई एमसी और अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ आप में शामिल हो गए। नुसरत अली खान बग्गा ने शिरोमणि अकाली दल (बादल) के मलेरकोटला से निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी और कार्य समिति सदस्य रहे हैं। इसके साथ ही बेअंत किंगर भी आम आदमी पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी (आप) में शामिल हो गए। किंगर और उनकी पत्नी दो बार एमसी रह चुके हैं। इस अवसर पर मलेरकोटला के विधायक डॉ जमील उर रहमान भी मौजूद थे।

आप को फरीदकोट निर्वाचन क्षेत्र में भी ताकत मिली जब शिरोमणि अकाली दल पीएसी के सदस्य राजिंदर दास रिंकू समाधवाला और एनएसयूआई के 2 बार अध्यक्ष और युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रहें गुरशरण सिंह कबालवाला, बब्बू आहूजा पूर्व एमसी कांग्रेस, मनीष कुमार तिवारी पूर्व जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस, मंजीत सिंह पीटा ब्लॉक अध्यक्ष बीसी विंग और गोरा मचाकी (अकाली दल) आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। इस मौके पर फरीदकोट के विधायक गुरदित सिंह सेखों मौजूद रहें।

नंदगढ़ जत्थेदार बलवंत सिंह के दामाद और दस्तार फेडरेशन नंदगढ़ के अध्यक्ष भाई परगट सिंह भोडीपुरा आप में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उन्हें औपचारिक तौर पर पार्टी में शामिल कराया और उनका स्वागत किया। भाई परगट सिंह भोड़ीपुरा लंबे समय से धार्मिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। पंथक मंडलों, संगठनों और संत समाज के बीच उनका अच्छा प्रभाव है। भाई परगट सिंह गतका फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। वह पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला से अधीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने अदारा पहरेदार के निदेशक और दस्तार फेडरेशन के अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय गतका अकादमी दामा साहिब के संस्थापक और कई प्रतिष्ठित संगठनों और ट्रस्टों के सदस्य के रूप में काम किया है। इस मौके पर फरीदकोट हलके के विधायक गुरदित सिंह सेखों, आप के वरिष्ठ नेता जगदीप सिंह जैमलवाला, भाई परमजीत सिंह गंगा भी मौजूद थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपने बयान में कहा कि आम आदमी पार्टी आम लोगों की पार्टी है। पंजाब के लोग खुद हमारे काम की तारीफ कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि आप सरकार ने दो साल में जितने काम किए है, उतना पिछले 70 साल में नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे काम से प्रभावित होकर पंजाब के सभी वर्गों के लोग आम आदमी पार्टी से जुड़ रहे हैं और पंजाब को फिर से रंगला बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता इस बार आम आदमी पार्टी को जिताने के लिए काफी उत्साहित है। हम यह चुनाव 13-0 से जीत रहे हैं।

पूर्व PM देवेगौड़ा ने पोते को दी चेतावनी, मेरे धैर्य की परीक्षा नहीं लो, जहां हो तुरंत वापस आओ

जालंधर (हिमांशु) : पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने गुरुवार को कर्नाटक में कथित सेक्स वीडियो कांड के मुख्य आरोपी अपने भगोड़े पोते और जद-एस सांसद प्रज्वल रेवन्ना को कड़ी चेतावनी जारी की। देवेगौड़ा ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैंने प्रज्वल रेवन्ना को चेतावनी जारी की है कि वह जहां भी हैं, वहां से तुरंत वापस आएं और खुद को कानूनी प्रक्रिया के अधीन करें। उन्हें मेरे धैर्य की और परीक्षा नहीं लेनी चाहिए।

'प्रज्वल रेवन्ना को मेरी चेतावनी' शीर्षक के तहत अपने पोते को संबोधित दो पन्नों के पत्र में अनुभवी जद-एस नेता ने लिखा- मुझे उस सदमे और दर्द से उबरने में कुछ समय लगा, जो उन्होंने मुझे, मेरे पूरे परिवार, मेरे सहकर्मी, मित्र और पार्टी कार्यकर्ताओं को दिया है। उन्होंने लिखा, मैं पहले ही कह चुका हूं कि दोषी पाए जाने पर उन्हें कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। इस समय मैं केवल एक ही काम कर सकता हूं। मैं प्रज्वल को कड़ी चेतावनी दे सकता हूं और उनसे कह सकता हूं कि वह जहां भी हैं, वहां से लौट आएं और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दें। उन्हें खुद को कानूनी प्रक्रिया के अधीन करना चाहिए।

देवेगौड़ा ने लिखा, यह कोई अपील नहीं है जो मैं कर रहा हूं, यह एक चेतावनी हैज उन्हें अपने परिवार के सभी सदस्यों के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। कानून उनके खिलाफ आरोपों का ख्याल रखेगा, लेकिन परिवार की बात न सुनने से यह सुनिश्चित हो जाएगा उनका पूर्ण अलगाव है। अगर उनके मन में मेरे लिए कोई सम्मान बचा है, तो उन्हें तुरंत लौटना होगा। लोगों का विश्वास दोबारा अर्जित करना मेरे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वे मेरे राजनीतिक जीवन के 60 वर्षों से अधिक समय तक मेरे साथ खड़े रहे हैं और मैं उनका बहुत आभारी हूं। जब तक मैं जीवित हूं, मैं उन्हें कभी निराश नहीं करूंगा। पिछले कुछ हफ्तों में लोगों ने मेरे और मेरे परिवार के खिलाफ सबसे कठोर शब्दों का इस्तेमाल किया है। मुझे इसकी जानकारी है। मैं उन्हें रोकना नहीं चाहता। मैं उनकी आलोचना नहीं करना चाहता। मैं उनसे बहस करने की कोशिश नहीं करूंगा कि उन्हें सारे तथ्य सामने आने तक इंतजार करना चाहिए था।

मैं लोगों को यह विश्वास नहीं दिला सकता कि मैं प्रज्वल की गतिविधियों से अनजान था। मैं उन्हें यह विश्वास नहीं दिला सकता कि मुझे उनकी रक्षा करने की कोई इच्छा नहीं है। मैं उन्हें यह विश्वास नहीं दिला सकता कि मुझे उनकी गतिविधियों के बारे में जानकारी नहीं है और मुझे उनकी विदेश यात्रा के बारे में जानकारी नहीं थी। मैं अपनी अंतरात्मा को जवाब देने में विश्वास रखता हूं। मैं ईश्वर में विश्वास करता हूं और मैं जानता हूं कि सर्वशक्तिमान सत्य जानता है। देवेगौड़ा ने लिखा, मैं हाल के हफ्तों में दुर्भावनापूर्ण रूप से फैलाए गए राजनीतिक षड्यंत्रों, अतिशयोक्ति, उकसावे और झूठ पर टिप्पणी करने का जोखिम नहीं उठाऊंगा। मुझे यकीन है कि जिन लोगों ने ऐसा किया है, उन्हें ईश्वर को जवाब देना होगा और एक दिन इसकी भारी कीमत चुकानी होगी।

मैं अपनी सच्चाई और अपना बोझ प्रभु के चरणों में रखता हूं। पूर्व प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ जांच में उनके परिवार के सदस्य कोई हस्तक्षेप न करें। उन्होंने कहा, इस संबंध में मेरे मन में कोई भावना नहीं है। केवल उन लोगों के लिए न्याय का मुद्दा है जो उनके कथित कार्यों और दुष्कर्मों के परिणामस्वरूप पीड़ित हुए हैं।

16 साल की सौम्या ने किया एवरेस्ट फतह, अब अंटार्कटिका के विनसन मैसीफ पर निगाहें

जालंधर (जसवीर) : सोलह साल की काम्या कार्तिकेयन माउंट एवरेस्ट के शिखर पर नेपाल की तरफ से पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बन गई हैं। नेवी चिल्ड्रन स्कूल, मुंबई की 12वीं कक्षा की छात्रा की इस उपलब्धि पर भारतीय नौसेना ने गुरुवार को उन्हें बधाई दी। काम्या ने अपने पिता और नौसेना अधिकारी कमांडर एस. कार्तिकेयन के साथ 20 मई को 8,849 मीटर ऊंचे पर्वत शिखर को फतह करने का कारनामा कर दिखाया था। नौसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, काम्या ने सात में से छह महादेशों के सबसे ऊंचे पर्वत शिखरों पर पहुंचने में अदम्य और सतत साहस का परिचय दिया है। भारतीय नौसेना सभी सात महादेशों के सर्वोच्च शिखरों पर फतह हासिल कर ऐसा करने वाली सबसे कम उम्र की लड़की बनने की उनकी महत्वाकांक्षा के लिए युवा काम्या को शुभकामनाएं देती है।

काम्या का अगला लक्ष्य इस साल दिसंबर में अंटार्कटिका का माउंट विनसन मैसीफ को फतह करना है। यह मुकाम हासिल करते ही वह सभी सात महादेशों के सर्वोच्च शिखरों पर पहुंचने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की लड़की बन जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2020 के 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा था कि छोटी उम्र की काम्या कार्तिकेयन सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

जनवरी 2021 में उन्होंने युवा पर्वतारोही (जो उस समय मात्र 13 साल की थी) से वर्चुअली संवाद किया था। उन्होंने राष्ट्रपति बाल पुरस्कार प्राप्त करने पर सौम्या को बधाई देते हुए उसे और अधिक ऊंचाइयों पर पहुंचने के लिए शुभकामनाएं दी थीं।